नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 02
अंक : 006
दि. 06.05.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'सनातन का अपमान करने वालों का सूपड़ा-साफ होगा', बंगाल में भाजपा की जीत पर गरजे सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल चुनाव नतीजों पर जनता को बधाई देते हुए कहा कि ये परिणाम जनहित की अनदेखी करने वाले दलों के लिए कड़ा संदेश हैं. उन्होंने कहा कि विकास में भ्रष्टाचार, अपराधियों को संरक्षण और सनातन का अपमान करने वालों का सत्ता से बाहर होना तय है. योगी ने कहा कि जनता ने टीएमसी को जवाब दिया है और अब मोदी के नेतृत्व में 'सोनार बांग्ला' बनेगा.

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों पर वहां की जनता को बधाई दी और कहा कि यह नतीजे उन दलों के लिए कड़ा संदेश है, जो जनहित की अनदेखी करते हैं. उन्होंने कहा कि जो सरकारें विकास के संसाधनों का दुरुपयोग करती हैं, अपराधियों को संरक्षण देती हैं और सनातन परंपरा का अपमान करती हैं, उनका सत्ता से बाहर होना तय है. योगी ने कहा, 'जो भी जनता की उपेक्षा करेगा, सनातन का अपमान करेगा, उसका सूपड़ा साफ होना तय है, बंगाल की जनता ने ये करके दिखाया है.'

सीएम योगी ने कहा, जनता ने तृणमूल कांग्रेस को करारा जवाब दिया है और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य 'सोनार बांग्ला' की दिशा में आगे बढ़ेगा. उन्होंने कहा कि अच्छी नीतियों और साफ नीयत वाली सरकार ही बेहतर परिणाम देती है, जबकि कमजोर शासन व्यवस्था का नतीजा पश्चिम बंगाल जैसा होता है.

योगी आदित्यनाथ ने 2017 के बाद उत्तर प्रदेश, खासकर गोरखपुर में हुए बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नीति से विकास तेज होता है.

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है. सोमवार को आए ऐतिहासिक जनादेश के बाद मंगलवार को मतों की दोबारा गिनती के रोमांचक मोड़ के साथ भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने अपनी सीटों की संख्या 207 तक पहुंचा दी है. 294 सदस्यीय विधानसभा में बीजेपी ने अब तक का सबसे बड़ा बहुमत हासिल कर तृणमूल कांग्रेस (TMC) के 15 साल के शासन का अंत कर दिया है.

मंगलवार को आए ताजा नतीजों ने इस जीत में एक और कड़ी जोड़ दी. राजड़हाट-न्यू टाउन निर्वाचन क्षेत्र में बीजेपी उम्मीदवार पीयूष कनोडिया ने

टीएमसी के मौजूदा विधायक तापस चटर्जी को महज 309 वोटों के मामूली अंतर से हरा दिया.

18 राउंड की गिनती के बाद कनोडिया को 1,06,564 वोट मिले, जबकि चटर्जी को 1,06,255 वोटों पर संतोष करना पड़ा. इस जीत के साथ बीजेपी की झोली में एक और सीट आ गई और टीएमसी का ग्राफ गिरकर 80 सीटों पर सिमट गया.

जीत के मुख्य कारण

मोदी-शाह की रणनीतिः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियों और गृह मंत्री अमित शाह के सांगठनिक कौशल ने राज्य में बीजेपी की लहर पैदा की.

वोट शेयर में उछालः बीजेपी का वोट शेयर 2021 के 38% से बढ़कर 45% हो गया, जबकि टीएमसी का वोट शेयर 48% से गिरकर लगभग 41% रह गया.

क्षेत्रीय पैठः उत्तर बंगाल और जंगलमहल जैसे क्षेत्रों में टीएमसी का जनाधार पूरी तरह खिसक गया, जहाँ बीजेपी ने बड़ी बढ़त बनाई.

राजनीतिक प्रभाव

1972 के बाद यह पहली बार है जब पश्चिम बंगाल में उसी पार्टी की सरकार बनने जा रही है, जो केंद्र की सत्ता में है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं है, बल्कि बंगाल की विचारधारा और सांगठनिक ढांचे में एक गहरा बदलाव है. अब सबकी नजरें नई सरकार के गठन और मुख्यमंत्री पद की शपथ पर टिकी हैं, क्योंकि बीजेपी ने पहली बार इस राज्य में पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता की कमान संभाली है.

पश्चिम बंगाल में 'कमल' खिलते ही व्हाइट हाउस से आया संदेशः राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी को दी बधाई

व्हाइट हाउस ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव में बीजेपी की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। बीजेपी ने पांच राज्यों में हुए चुनावों में तीन राज्यों में जीत हासिल की है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी के ऐतिहासिक जीत पाई है। ट्रंप ने पीएम मोदी के नेतृत्व की तारीफ भी की है।

(एजेंसी)।

वॉशिंगटनः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। यह जानकारी व्हाइट हाउस ने दी है। व्हाइट हाउस ने इसे पश्चिम बंगाल में "ऐतिहासिक और निर्णायक चुनावी जीत" बताया है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने क्अठर को बताया, "अभी पिछले महीने ही, अपनी फोन कॉल के दौरान, राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की थी और कहा था कि भारत कितना भाग्यशाली है कि उसे मोदी जैसा नेता मिला है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री मोदी को इस हालिया, ऐतिहासिक और निर्णायक चुनावी जीत पर बधाई देते हैं।"

अमेरिकी मीडिया में भी पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में इखढ की जीत की चर्चा है। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा पश्चिम बंगाल को

लेकर हो रही है, जहां बीजेपी ने अकेले के दम पर 207 सीटों पर जीत हासिल की है। 'द वाशिंगटन पोस्ट' ने लिखा है कि बीजेपी की यह जीत पहली बार है जब पीएम मोदी की पार्टी ने पश्चिम बंगाल पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। यह एक ऐसा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य है जिस पर लंबे समय से ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली विपक्षी तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा है। इस चुनावी परिणाम ने पश्चिम बंगाल में बनर्जी की 15 साल पुरानी सत्ता पर पकड़ को समाप्त कर दिया है। यह पीएम मोदी के लिए एक बड़ी राजनीतिक उपलब्धि है, जिसने उनके तीसरे कार्यकाल के मध्य में उनकी स्थिति को और मजबूत किया है। नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में जीत का जश्न मनाते हुए पीएम मोदी ने कहा, "बंगाल के भाग्य में एक नया अध्याय जुड़ गया है... जनता की शक्ति की जीत हुई है और इखढ की सुशासन की राजनीति सफल हुई है। मैं पश्चिम बंगाल के हर एक व्यक्ति के सामने नतमस्तक हूं।" माना जाता है देश में बंगाल सबसे कठिन राजनीतिक मोर्चों में से एक बताया है, जिन पर पीएम मोदी ने जीत हासिल की है। विश्लेषकों का कहना है कि यह परिणाम सत्ता-विरोधी लहरऔर बीजेपी के अधिक प्रभावी चुनावी अभियान, दोनों को दशार्ता है।

'द गार्डियन' की रिपोर्ट के अनुसार, 'सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च' के राहुल वर्मा ने इसे पार्टी नेतृत्व द्वारा चलाए गए "सात साल के प्रोजेक्ट" की परिणति बताया है। रिपोर्ट में वर्मा के हवाले से कहा गया है, "पश्चिम बंगाल में बीजेपी की उपस्थिति मजबूत और सुसंगठित थी, और मोदी को एक करिश्माई नेता के रूप में देखा जाता है।" उन्होंने आगे कहा, "हिंदू वोटों के एकीकरण के बिना इस तरह का परिणाम संभव नहीं हो पाता।"

'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने कहा कि पश्चिम बंगाल लंबे समय से क्षेत्रीय और वामपंथी राजनीति का गढ़ रहा है, ऐसे में बीजेपी की यह सफलता भारत के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है।

असमः कांग्रेस की जीत में मुस्लिम फेक्टर! 19 में 18 एमएलए मुसलमान, भाजपाई हेट्रिक से बिगड़ा गणित

असम विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों ने राज्य की सियासी जमीन पर एक ऐसी लकीर खींच दी है, जिसने राजनीति के बड़े-बड़े पंडितों को हैरान कर दिया है। एक तरफ जहां मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता की 'हैट्रिक' लगाई है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के खेमे से एक ऐसा आंकड़ा निकलकर आया है जिसने सबको चौंका दिया है। असम में कांग्रेस ने कुल 19 सीटें जीती हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि इन 19 विधायकों

इस बार गर्मी में नहीं होगी पानी की किल्लत, रेखा गुप्ता ने बनाया 'वाटर मास्टरप्लान'

(एजेंसी)।

दिल्ली में सूरज की तपिश बढ़ने के साथ ही पानी की किल्लत ने भी दस्तक दे दी है। इस बार राजधानी में 'जल संकट' से निपटने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता खुद मोर्चा संभाल चुकी हैं। 04 मई को सचिवालय में हुई एक हाई-लेवल मीटिंग में सीएम रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को दो-टूक लहजे में चेतावनी दी कि पानी की सप्लाई में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने साफ कहा कि अगर लोगों की शिकायतों का तुरंत निपटारा नहीं हुआ, तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

दिल्ली सरकार ने इस गर्मी को एक 'सप्लाई इमरजेंसी' और

प्रशासनिक परीक्षा के तौर पर लिया है। मुख्यमंत्री ने सोनिया विहार, वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला समेत दिल्ली के सभी प्रमुख वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स को अपनी पूरी क्षमता के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। हरियाणा से आने वाले कच्चे पानी में अमोनिया की समस्या पर भी पैनी नजर रखी जा रही है ताकि शुद्धिकरण की प्रक्रिया न रुके। सरकार का लक्ष्य है कि राजधानी का एक भी घर प्यासा न रहे।

शहरी और बाहरी कॉलोनियों में पानी की कमी को दूर करने के लिए

गांधी मैदान में एनडीए का शक्ति प्रदर्शन, शपथ ग्रहण और मंत्रिमंडल विस्तार 7 को; पीएम मोदी भी होंगे शामिल

(एजेंसी)।

पटना, पटना का ऐतिहासिक गांधी मैदान एक बार फिर एक बड़े सियासी फेरबदल का गवाह बनने जा रहा है। एनडीए की नई सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार और शपथ ग्रहण 7 मई को होना है जिसकी तैयारी की जा रही है। पटना के गांधी मैदान में जहां एक ओर शपथ ग्रहण और कैबिनेट विस्तार की तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही हैं, वहीं दूसरी तरफ सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था भी की जा रही है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से गांधी मैदान में आमलोगों की इंट्री बंद कर दी गई है।

नए चेहरों को मिलेगी जगह

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बनने जा रहे इस नए मंत्रिमंडल में कई नए चेहरों को जगह मिलने की चर्चा चल रही है। राज्यपाल सय्यद अता हसनैन नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। लेकिन इस समारोह की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने वाले हैं। इनके अलावे इस समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमएलसी के साथ अन्य बड़े-बड़े नेता रहेंगे, जबकि तीसरे मंच पर संगीत का आयोजन किया जाएगा।

नीतीश कुमार भी शामिल होंगे। कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए तीन बड़े-बड़े मंच बनाए जा रहे हैं। मुख्य मंच पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के साथ-साथ मंत्रीमंडल में शामिल होने वाले वह सभी विधायक मौजूद होंगे। दूसरे मंच पर एनडीए के विधायक और

तीन हेलीपेड का हो रहा निर्माण

तीन बड़े-बड़े पंडाल के साथ-साथ तीन हेलीपेड भी बनाए जा रहे हैं। यानी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के अलावे अन्य बड़े नेता सीधे गाँधी मैदान में ही उतरेंगे। इसके लिए तीन बड़े-बड़े हेलीपैड बनाए जा रहे हैं।

तीनों हेलीपैड सौ-सौ फीट डायामीटर का होगा। इसके अलावे ट्रैफिक रूट में भी बदलाव किए जाएंगे। साथ ही खास मार्ग पर परिचालन प्रतिबंधित रहेंगे।

'ये मोदी और शाह की जीत है', बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत पर विपक्षी नेता संजय राउत बोले

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के विधानसभा चुनाव नतीजों पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बंगाल चुनाव पर इन्होंने कहा ममता 'दीदी' को 'जिस प्रकार से हराया गया', वो लोकतंत्र की जीत नहीं है। राउत ने चुनाव आयोग को बीजेपी का गठबंधन सहयोगी बताया, आरोप लगाया कि 90 लाख वोट हटाए गए और आयोग निष्पक्ष नहीं रहा। उन्होंने कहा, "जब कोई दीया बुझता है तो उसकी ज्योत बढ़ जाती है। राजनीति में ऐसी हवा चलती है। एक दिन वे लोग भी ऐसी हवा के लिए तरस जाएंगे।" संजय राउत ने कहा, "मेरा मानना है कि यह लोकतंत्र की जीत नहीं है।

असम में मुख्यमंत्री बनाने की फैक्ट्री, एक ही यूनिवर्सिटी से निकले 7 सीएम, हिमंता सरमा भी यहीं के स्टूडेंट

(एजेंसी)।

असम विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर राज्य की सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में बीजेपी ने न केवल जीत का परचम लहराया, बल्कि राज्य के विकास और राजनीतिक स्थिरता को एक नई दिशा दी है। लेकिन इस चुनावी शोर और जीत के बीच गुवाहाटी की एक शिक्षण संस्था फिर से सुर्खियों में है।

यह कोई साधारण संस्थान नहीं, बल्कि असम की राजनीति की नर्सरी कही जाने वाली कॉटन यूनिवर्सिटी है। इस विश्वविद्यालय का दबदबा ऐसा है कि असम के राजनीतिक इतिहास में अब तक कुल सात मुख्यमंत्री इसी कैंपस की उपज रहे हैं। राज्य की सत्ता का गलियारा इसी कॉलेज के रास्तों से होकर गुजरता है, जो इसकी अकादमिक और राजनीतिक विरासत को अद्वितीय बनाता है।

1901 से शुरू हुआ सफर, आजादी से पहले की विरासत

कॉटन यूनिवर्सिटी का इतिहास गौरवशाली रहा है। इसकी स्थापना साल 1901 में कॉटन कॉलेज के रूप में हुई थी। उस दौर में असम के युवाओं के पास उच्च शिक्षा के सीमित विकल्प थे और उन्हें पढ़ाई के लिए कोलकाता (तब कलकत्ता) जाना पड़ता था। छात्रों की इसी जरूरत को देखते हुए तत्कालीन ब्रिटिश प्रशासन ने इस कॉलेज की नींव रखी।

दशकों तक यह कॉलेज पूरे उत्तर-पूर्व भारत में शिक्षा का सबसे बड़ा केंद्र बना रहा। शिक्षा के साथ-साथ यहां के छात्रों में वैचारिक और राजनीतिक चेतना भी विकसित होने लगी। साल 2017 में असम सरकार ने इसे पूर्ण विश्वविद्यालय का दर्जा दिया, जिसके बाद इसे 'कॉटन यूनिवर्सिटी' के नाम से जाना जाने लगा।

फ्री बस सफर-25 लाख का बीमा तक! केरल में राहुल गांधी के किन वादों ने तय की जीत की राह

केरल विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों ने राज्य की राजनीति में एक बार फिर बड़ा उलटफेर कर

दिया है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा ने करीब एक दशक बाद सत्ता में जोरदार वापसी करते हुए स्पष्ट बहुमत हासिल किया।

यूडीएफ में कांग्रेस, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, केरल कांग्रेस और रिवोल्यूशनरी मार्क्सवादी पार्टी ऑफ इंडिया शामिल हैं।

इस जीत को सत्ता एंटी-इनकंबेंसी का नतीजा माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, यूडीएफ का मजबूत और जनहित केंद्रित मेनिफेस्टो इस जीत का असली गेमचेंजर साबित हुआ। इसके साथ ही UDF ने भगवान अयप्पा को अपना हथियार बनाया।

तमिलनाडु चुनाव के बाद विजय ने पीएम मोदी को कहा धन्यवाद, बोले-'लोगों का भला ही हमारा लक्ष्य'

"जन कल्याण ही मेरी पार्टी का एकमात्र लक्ष्य है", ळश्ड चीफ विजय ने पीएम मोदी के प्रति जताया आभार

(एजेंसी)।

टीवीके प्रमुख विजय ने पीएम मोदी का आभार जताया और कहा, माननीय, आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। हमारे लोगों का कल्याण ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है। जानें विजय ने और क्या कहा?

तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद तमिलगा वेट्री कजगम के प्रमुख विजय ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि "जन कल्याण ही पार्टी का एकमात्र लक्ष्य है"।

एक पोस्ट साझा करते हुए, विजय ने प्रधानमंत्री को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि वे इस प्रयास में केंद्र सरकार के समर्थन की उम्मीद करते हैं। टीवीके प्रमुख ने लिखा, "माननीय @पीएममोदीजी, आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। हमारे लोगों का कल्याण ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है।राजनीति से ऊपर

उठकर, हम राज्य की प्रगति और तमिलनाडु के लोगों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हम इस प्रयास में केंद्र सरकार के समर्थन की आशा करते हैं।"

बता दें कि टीवीके ने तमिलनाडु में शानदार शुरूआत करते हुए सोमवार को 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीटें जीतीं हैं। हालांकि टीवीके बहुमत के आंकड़े से पीछे है और सरकार बनाने के लिए उसे अन्य पार्टियों के समर्थन की आवश्यकता होगी। 234 सदस्यीय राज्य विधानसभा में उसे बहुमत से 10 सीटें कम हैं। टीवीके सूत्रों ने बताया कि पार्टी सरकार गठन के लिए बहुमत हासिल करने हेतु आवश्यक समर्थन जुटाने के लिए अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं से बातचीत कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक विजय सात मई को सीएम पद की शपथ ले सकते हैं।

पीएम मोदी ने दी थी विजय को बधाई

प्रधानमंत्री मोदी ने टीवीके के शानदार चुनावी प्रदर्शन पर बधाई दी और चुनाव में पार्टी को मिले समर्थन की सराहना की। पीएम मोदी ने सोमवार को एक पोस्ट में कहा, "तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में एनडीए का समर्थन करने वाले तमिलनाडु के मतदाताओं के प्रति आभार।

बंगाल में नई भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण 9 मई को, कौन बनेगा मुख्यमंत्री? अमित शाह करेंगे फैसला

पश्चिम बंगाल की राजनीति में दशकों बाद एक ऐसा मोड़ आया है जिसने राज्य की सत्ता का समीकरण पूरी तरह बदल दिया है। विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी ने प्रचंड बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ममता बनर्जी के 15 साल के अभेद्य किले को ढहा दिया है। इस बड़ी जीत के बाद अब गलियारों में सबसे बड़ा सवाल यह है कि बंगाल की कमान किसके हाथों में होगी? भाजपा ने ऐलान किया है कि नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 9 मई को आयोजित किया जाएगा।

यह तिथि राजनीतिक के साथ-साथ सांस्कृतिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन पूरा देश और विशेषकर बंगाल विश्वगुरु रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती (रवींद्र जयंती) मनाता है।

'मैं हारी नहीं, इस्तीफा नहीं दूंगी', ममता के बयान पर सीएम की रेस में शामिल सुवेंदु अधिकारी क्या बोले?

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे से इनकार ने राज्य की राजनीति में भूचाल ला दिया है। उनके इस बयान के तुरंत बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता शुभेंदु अधिकारी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिससे विधानसभा चुनावों के बाद की राजनीतिक तनातनी बढ़ गई।

अधिकारी, जिन्होंने हाल ही में भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी को करारी शिकस्त दी थी, ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बनर्जी के इस्तीफे से इनकार वाले बयान पर टिप्पणी की। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "संविधान में सब लिखा हुआ है, ज्यादा बोलने की जरूरत नहीं है।" उनका यह बयान ममता बनर्जी के रुख पर सीधा पलटवार माना जा रहा है।

दरअसल, ममता बनर्जी ने मंगलवार को कोलकाता में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट किया कि उनके इस्तीफे का कोई सवाल ही नहीं उठता। जब उनसे राजभवन जाकर राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दो टूक कहा कि वह "लोकभवन नहीं जाएंगी" और किसी भी सूरत में इस्तीफा नहीं देंगी।

बनर्जी ने अपनी हार को जनादेश

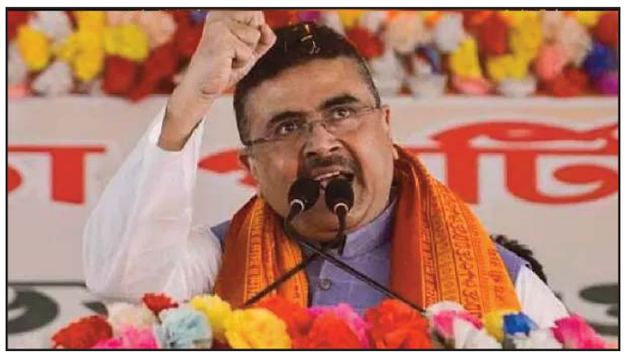

का परिणाम मानने से साफ इनकार किया। उन्होंने आरोप लगाया, "हम पब्लिक मैंडेट से नहीं बल्कि एक साजिश से हारे हैं। मैं हारी नहीं।" इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि "वो संवैधानिक नियमों के हिसाब से एक्शन ले सकते हैं।" उन्होंने बीजेपी पर "अत्याचारों" का आरोप लगाते हुए सड़कों पर उतरने की चेतावनी भी दी।

चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा "हमारा मुकाबला बीजेपी से नहीं था बल्कि चुनाव आयोग से था।" ममता बनर्जी ने दावा किया कि चुनाव आयोग ने सीधे तौर पर बीजेपी के पक्ष में काम किया, जिससे पूरी चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कल्याण बनर्जी ने दावा किया, "इस बार काउंटिंग में चोरी हुई है। ये फाइनल है। सभी कैंडिडेट्स पर बुरी तरह हमला किया गया। सभी काउंटिंग एजेंट्स पर उकरऋ और उफ्ढऋने बुरी तरह हमला किया और उन्हें बाहर निकाल दिया। ये डेमोक्रेसी के लिए बहुत बड़ा खतरा है। काउंटिंग में कोई ट्रांसपेरेंसी नहीं है। ये डेमोक्रेसी पर एक बेरहम हमला है। उन्होंने काउंटिंग में सब कुछ लूट लिया है।"

भाजपा बोलीं- ममता बनर्जी का बयान कॉन्स्टिट्यूशनल ईशनिंदा है

ममता बनर्जी के इन कड़े बयानों पर पलटवार करते हुए बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से आरोप लगाया कि बनर्जी हिंसा के रास्ते से संवैधानिक व्यवस्था को "शॉर्ट-सर्किट" करने का सुझाव दे रही हैं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के सरासर खिलाफ है।

पूनावाला ने लिखा, "ममता बनर्जी जो सुझाव दे रही हैं, वो कॉन्स्टिट्यूशन-विरोधी, अंबेडकर-विरोधी है और चुनाव के बाद का गुस्सा होने के अलावा कॉन्स्टिट्यूशनल ईशनिंदा भी है। वो पावर के शांतिपूर्ण ट्रांसफर के कॉन्सेप्ट को पलटना चाहती हैं, जो हमारे कॉन्स्टिट्यूशनल सिस्टम की पहचान है।"

सीएम योगी के कड़े रुख के बाद यूपी में स्मार्ट मीटर की व्यवस्था खत्म, अब आयोग ने 24 घंटे में मांगा जवाब

(एजेंसी)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कड़े रुख के बाद भले ही पावर कारपोरेशन प्रबंधन ने सोमवार को स्मार्ट प्रीपेड मीटर की व्यवस्था को समाप्त कर दिया है, लेकिन उसने मीटर को लेकर उठ रहे सवालों का विद्युत नियामक आयोग को 10 दिन की तय अवधि में जवाब नहीं दिया। 10 के बजाय 20 दिन में भी जवाब न मिलने को गंभीरता से लेते हुए आयोग ने अब 24 घंटे में कारपोरेशन प्रबंधन से जवाब तलब किया है। माना जा रहा है कि आयोग, प्रबंधन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई कर सकता है। इस बीच उपभोक्ता परिषद ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता समाप्त करने संबंधी कार्यालय आदेश जारी करने की मांग की है।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर संबंधी तमाम शिकायतों को देखते हुए उपभोक्ता

परिषद ने पिछले महीने आयोग में याचिका दाखिल की थी। याचिका पर आयोग ने 16 अप्रैल को कारपोरेशन प्रबंधन से 10 दिन में जवाब मांगा था। ऐसे में 26 अप्रैल तक प्रबंधन को जवाब देना था लेकिन अब तक आयोग में जवाब दाखिल नहीं किया गया।

आयोग ने कारपोरेशन प्रबंधन की लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए अब अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक को 24 घंटे में पूरे मामले पर जवाब देने के निर्देश दिए हैं। कहा गया है कि जवाब न देने पर आयोग दंडात्मक कार्रवाई करने के लिए बाध्य होगा। जवाब न देने पर उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा का कहना है कि पावर कारपोरेशन, विद्युत अधिनियम 2003 की की धारा 47(5) तथा भारत सरकार एवं केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कर रहा है।

वर्मा ने कहा कि बिजली कंपनियों को आयोग द्वारा जारी कास्ट डाटा बुक के अनुरूप ही काम करना चाहिए लेकिन राज्य में नियमों के विरुद्ध नये बिजली कनेक्शन केवल प्रीपेड मोड में देने तथा मौजूदा पोस्टपेड कनेक्शनों को उपभोक्ताओं की सहमति के बिना प्रीपेड में बदला गया है। परिषद अध्यक्ष ने आयोग से मांग की है कि कारपोरेशन प्रबंधन के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जेल से छूटे हिस्ट्रीशीटर की लखनऊ में हत्या, दो दिन बाद प्लॉट में बरामद हुआ शव

लखनऊ के अवध विहार योजना में हिस्ट्रीशीटर सचिन यादव की सिर कूचकर हत्या कर दी गई, जिसका शव एक निजी स्कूल के पीछे खाली प्लॉट में मिला। .

(एजेंसी)।

लखनऊ। शहीद पथ के किनारे स्थित अवध विहार योजना में हिस्ट्रीशीटर 30 वर्षीय सचिन यादव की सिर कूचकर हत्या कर दी गई। शव को ठिकाने लगाने के लिए स्कूल के पीछे खाली प्लाट पर फेक दिया गया। मंगलवार सुबह स्थानीय लोगों ने दुर्गंध आने पर देखा तो पुलिस को सूचना दी।

सहायक पुलिस आयुक्त गोसाईगंज रिषभ यादव ने बताया कि सचिन हत्या के प्रयास के मामले में बंद था। दो हफ्ते पहले जेल से छूटा था। दो दिन पहले दोस्तों के साथ पार्टी करने के बाद से गायब था। सचिन के भाई की हत्या पड़ोसियों ने छह महीने पहले कर दी थी।

अवध विहार योजना सेक्टर आठ में एक निजी स्कूल के पीछे मंगलवार दोपहर युवक का शव पड़ा होने की सूचना पर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस पहुंची लोगों की मदद से शव की पहचान की कोशिश की। पता चला कि शव विजयनगर नीलमथा रेउतापुर के रहने वाले सचिन यादव का है।

इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी राजीव रंजन उपाध्याय, फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने साक्ष्य संकलन किए। सचिन के दाहिनी ओर कनपटी के पास सिर पर चोट का निशान मिला। इसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की बात कही है। इंस्पेक्टर ने बताया कि सचिन के खिलाफ पीजीआई समेत कई थानों में मारपीट, जानलेवा हमला, एससीएसटी एक्ट समेत छह से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

वह पीजीआई थाने से हिस्ट्रीशीटर था। गुंडा एक्ट की भी कार्रवाई हुई थी। कुछ दिन पहले जेल गया था। दो हफ्ते पहले ही जेल से छूटा था। सचिन के घरवालों ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। घटनास्थल को जाने वाले मार्ग पर लगे सीसी कैमरों की पड़ताल की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

परिस्थितिजन्य साक्ष्य बता रहे हैं कि बदमाशों ने सचिन की हत्या किसी अन्य स्थान पर की। इसके बाद रात अथवा तड़के बदमाशों ने शव स्कूल के पीछे मुफीद स्थान पर फेंका गया। पुलिस और फोरेंसिक टीम को मौके से किसी संघर्ष के साक्ष्य आदि नहीं मिले हैं। मौके से सचिन का कोई मोबाइल फोन आदि भी नहीं मिला है।

इंस्पेक्टर ने बताया कि सचिन का पड़ोसी विजय यादव और उसके परिवारीजनों से विवाद चल रहा था। छह माह पूर्व दिवाली के आस पास सचिन के छोटे भाई सोनू यादव की भी गोली मार कर हत्या की गई थी। मामले सचिन की ओर से विजय के परिवारीजनों और उसके नाबालिग भतीजे पर हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ था। विजय की ओर से सचिन और उसके पिता समेत अन्य पर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज हुआ था। उसी मामले में डेढ़ हफ्ते पहले सचिन जेल से जमानत पर छूटा था। सचिन के पिता अभी जेल में ही हैं।

विनेश फोगाट को क्यों मिला एंटी-डोपिंग एजेंसी का नोटिस? वापसी से पहले पहलवान के सामने खड़ी हुई बड़ी चुनौती

(एजेंसी)।

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट एक बार फिर चर्चा में हैं लेकिन इस बार मामला कुश्ती के दांव-पेच का नहीं बल्कि नियमों की अनदेखी से जुड़ा है। अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी यानी आईटीए ने विनेश को एक आधिकारिक नोटिस जारी कर बताया है कि उन्होंने अपना एक डोपिंग टेस्ट मिस कर दिया है।

यह घटना 18 दिसंबर 2025 की है जब डोपिंग कंट्रोल ऑफिसर विनेश द्वारा बताए गए स्थान पर उन्हें टेस्ट के लिए नहीं ढूंढ पाया। नियम के मुताबिक एलीट एथलीटों को हर दिन एक घंटे का ऐसा समय और स्थान बताना होता है जहां वे बिना किसी नोटिस के टेस्ट के लिए उपलब्ध रह सकें।

विनेश ने क्या जवाब दिया था?

विनेश ने इस मामले पर अपना स्पष्टीकरण देते हुए बताया था कि उस दिन वह हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र में शामिल होने के

लिए चंडीगढ़ में थीं। साथ ही उन्होंने अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारियों और छोटे बच्चे का हवाला भी दिया था। हालांकि आईटीए ने उनके तर्कों को पूरी तरह पर्याप्त नहीं माना। एजेंसी का कहना है कि अगर विनेश के कार्यक्रम में बदलाव हुआ था तो उन्हें मोबाइल ऐप या ईमेल के जरिए अपनी लोकेशन तुरंत अपडेट करनी चाहिए थी जो उन्होंने नहीं की। इसी लापरवाही के कारण आईटीए ने इसे विनेश की पहली आधिकारिक विफलता के रूप में दर्ज किया है।

विनेश के लिए चेतावनी

राहत की बात यह है कि यह विनेश के लिए केवल एक चेतावनी है और इसे एंटी-डोपिंग नियमों का उल्लंघन नहीं माना गया है। वाडा और अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ के नियमों के अनुसार अगर कोई खिलाड़ी एक साल के भीतर तीन बार अपनी लोकेशन बताने में फेल होता है या टेस्ट मिस करता है तभी उस पर दो साल तक का प्रतिबंध लग सकता है। चूंकि यह पिछले 12 महीनों में विनेश की ऐसी पहली गलती है इसलिए उनके करियर पर फिलहाल कोई खतरा नहीं है। विनेश को इस फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए 4 मई से सात दिन का समय दिया गया है।

कुश्ती में वापस आ रही हैं विनेश

यह पूरा घटनाक्रम विनेश के कुश्ती में दोबारा वापसी के ठीक बाद सामने आया है। पेरिस ओलंपिक 2024 में अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित होने के बाद उन्होंने संन्यास ले लिया था लेकिन दिसंबर 2025 में उन्होंने दोबारा मैट पर लौटने का फैसला किया। वापसी के साथ ही वह कड़े डोपिंग टेस्ट के घेरे में आ गई हैं। इस समय वह गोंडा में होने वाले नेशनल रैंकिंग टूनार्मेंट के जरिए अपनी नई शुरूआत करने जा रही हैं जहां उनकी सुरक्षा और निष्पक्षता को लेकर भारतीय कुश्ती संघ ने उन्हें पूरा भरोसा दिलाया है।

सुप्रीम कोर्ट में अब 34 नहीं, बल्कि इतने होंगे जज! केंद्रीय कैबिनेट ने दी मंजूरी

(एजेंसी)।

भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। वर्तमान में प्रधान न्यायाधीश (उखक) सहित जजों की कुल स्वीकृत संख्या 34 है, जिसे अब बढ़ाकर 38 करने की योजना है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार आगामी संसदीय सत्र में एक विशेष विधेयक पेश करेगी।

जजों की संख्या में यह 12% की वृद्धि मुख्य रूप से अदालतों पर बढ़ते मुकदमों के बोझ को कम करने और लंबित मामलों के त्वरित निपटारे के उद्देश्य से की जा रही है, ताकि आम नागरिकों को समय पर न्याय मिल सके।

कैबिनेट का नया फैसला

सरकार का यह निर्णय न्यायपालिका के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी पहल है। अश्विनी वैष्णव के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में वर्तमान में 1 मुख्य न्यायाधीश और 33 अन्य न्यायाधीश कार्यरत हैं। 4 नए पद सृजित होने से संवैधानिक पीठों के गठन और महत्वपूर्ण कानूनी मामलों की सुनवाई में तेजी आएगी। संसद से विधेयक पारित होने के बाद यह बदलाव आधिकारिक रूप से लागू हो जाएगा, जिससे न्याय प्रक्रिया की बाधाएं दूर होंगी।

जजों की संख्या का इतिहास

1956 में मूल कानून के तहत जजों की संख्या केवल 10 निर्धारित थी। वक्त के साथ मुकदमों का अंबार बढ़ा, तो इस संख्या को भी बढ़ाया गया। 1960 में इसे 13, 1977 में 17 और 1986 में 25 किया गया। साल 2009 में जजों की संख्या 30 तक पहुंचाई गई। पिछली बार 2019 में एक संशोधन के जरिए संख्या को 30 से बढ़ाकर 33 (मुख्य न्यायाधीश के अलावा) किया गया था। यह क्रमिक विस्तार बढ़ती जनसंख्या और कानूनी पेचीदगियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए किया गया है।

नियुक्ति की कॉलेजियम व्यवस्था

सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति के लिए 'कॉलेजियम सिस्टम' का पालन किया जाता है। यह एक विशेष समूह होता है जिसमें देश के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के चार सबसे वरिष्ठ जज शामिल होते हैं। यही समूह नामों पर विचार करता है और केंद्र सरकार को अपनी सिफारिशें भेजता है। सरकार की जांच के बाद, अंतिम मुहर राष्ट्रपति द्वारा लगाई जाती है। यह प्रणाली सुनिश्चित करती है कि जजों के चयन में निष्पक्षता और योग्यता को प्राथमिकता दी जाए।

योग्यता और कार्यकाल

सुप्रीम कोर्ट का जज बनने के लिए सख्त मापदंड तय हैं। उम्मीदवार का भारत का नागरिक होना अनिवार्य है। उसे किसी हाई कोर्ट में कम से कम 5 साल तक जज रहने का अनुभव हो, या उसने 10 साल तक वकील के रूप में वकालत की हो। राष्ट्रपति की दृष्टि में वह एक प्रसिद्ध विधिवेत्ता (कानून का जानकार) भी हो सकता है।

लखनऊ के इस नवाब ने शुरू किए थे बड़ा मंगल पर भंडारे, 200 साल से आज भी जारी है यह परंपरा

(एजेंसी)।

ज्येष्ठ माह के मंगलवारों को बड़ा मंगल कहा जाता है। पूरे लखनऊ में इन दिनों में भंडारे आयोजित होते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन भंडारों की शुरूआत मुस्लिम नवाब ने की थी। ज्येष्ठ माह के मंगलवारों को 'बड़ा मंगल' के नाम से जाना जाता है। उत्तर भारत, खासतौर पर लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में इस दिन का विशेष धार्मिक और सामाजिक महत्व है। हनुमान जी को समर्पित यह दिन आस्था, सेवा और एकता का प्रतीक माना जाता है। खास बात यह है कि बड़ा मंगल पर भंडारा कराने की परंपरा की शुरूआत करीब 200 साल पहले अवध के नवाब मोहम्मद वाजिद अली शाह ने की थी, जो आज भी पूरे उत्साह के साथ निभाई जा रही है।

बड़ा मंगल क्यों होता है खास?

ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले हर मंगलवार को बड़ा मंगल कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी माह में भगवान राम और हनुमान जी का प्रथम मिलन हुआ था। इसके साथ ही, यह भी कहा जाता है कि इसी समय हनुमान जी को अमरत्व का वरदान प्राप्त हुआ था। यही कारण है कि इस दिन हनुमान जी की पूजा, व्रत और दान का विशेष महत्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन किए गए

उपाय और भक्ति से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

कैसे शुरू हुई भंडारे की परंपरा?

बड़ा मंगल से जुड़ी सबसे प्रसिद्ध कथा अवध के नवाब मोहम्मद वाजिद अली शाह से संबंधित है। कहा जाता है कि लगभग 200 साल पहले उनके पुत्र की तबीयत बहुत खराब हो गई थी। कई वैद्यों और हकीमों के प्रयासों के बावजूद कोई लाभ नहीं हुआ, तब किसी ने नवाब की बेगम को सलाह दी कि वे लखनऊ के अलीगंज स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में जाकर प्रार्थना करें।

लखनऊ की पहचान बन गया बड़ा मंगल

आज के समय में बड़ा मंगल सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सेवा का बड़ा उदाहरण बन चुका है। लखनऊ में इस दिन जगह-जगह भंडारे लगाए जाते हैं, जहां सभी धर्मों के लोग मिलकर सेवा करते हैं। सड़क किनारे शरबत, पानी, पूड़ी-सब्जी और प्रसाद का वितरण किया जाता है। तपती गर्मी में लोगों को ठंडा जल और भोजन देना पुण्य का कार्य माना जाता है।

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल

बड़ा मंगल की सबसे खास बात यह है कि यह त्योहार सिर्फ एक धर्म तक सीमित नहीं है। हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय मिलकर इस परंपरा को निभाते हैं। नवाब वाजिद अली शाह द्वारा शुरू की गई यह पहल आज भी सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल बनी हुई है। यह दिन बताता है कि आस्था और मानवता का रिश्ता किसी एक धर्म से बंधा नहीं होता है।

हनुमान जी की होती पूजा

बड़ा मंगल के दिन भक्त हनुमान जी का व्रत रखते हैं, मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना करते हैं, चोला चढ़ाते हैं और हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करते हैं। साथ ही, जरूरतमंदों को भोजन और जल का दान करना सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है। इस तरह बड़ा मंगल केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि सेवा, श्रद्धा और एकता का ऐसा संगम है, जो सदियों से लोगों को जोड़ता आ रहा है।

भक्ति के साथ प्रकृति की जिम्मेदारी भी जरूरी.. बड़े मंगल पर लखनऊ में दिखा अनूठा नजारा

(एजेंसी)।

लखनऊ में बड़े मंगल का नजारा हर साल खास होता है.. भक्ति, भीड़ और भंडारों की भरमार. लेकिन इस बार तस्वीर में एक नया एंगल जुड़ गया. लखनऊ में बड़े मंगल का नजारा हर साल खास होता है.. भक्ति, भीड़ और भंडारों की भरमार. लेकिन इस बार तस्वीर में एक नया एंगल जुड़ गया. शहर में 'वॉटर वूमन' के नाम से पहचानी जाने वाली शिप्रा पाठक ने इस धार्मिक आयोजन को पर्यावरण से जोड़ते हुए एक अलग ही पहल शुरू कर दी.

इस बार बड़े मंगल पर शहर में करीब 55 हजार हरे पत्तलों का वितरण किया गया. प्रेस क्लब से लेकर हजरतगंज, हनुमान सेतु, इंदिरानगर और गोमती नगर तक कई भंडारों में प्लास्टिक की जगह ये हरे पत्तल नजर आए. लोगों के लिए यह सिर्फ एक बदलाव नहीं बल्कि एक संदेश था कि भक्ति के साथ प्रकृति का भी ध्यान रखें.

'वॉटर वूमन' क्यों बना चर्चा का केंद्र?

शिप्रा पाठक को लोग 'वॉटर वूमन' इसलिए कहते हैं क्योंकि वह लंबे समय से जल संरक्षण और नदी बचाने से जुड़े अभियानों में सक्रिय रही हैं. इस बार उन्होंने बड़े मंगल जैसे बड़े आयोजन को चुना, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक संदेश पहुंच सके. उनका फोकस साफ था.. अगर भंडारों से प्लास्टिक हटेगा, तो शहर की नालियों और नदियों में जाने वाला कचरा भी कम होगा.

गोमती को बचाने की चिंता भी साथ

इस पहल का सबसे अहम पहलू रहा गोमती नदी को लेकर जागरूकता. हर साल भंडारों के बाद बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा नदी तक पहुंचता है, जिससे प्रदूषण बढ़ता है. लोगों को समझाया गया कि प्लास्टिक में गर्म खाना परोसना सेहत के लिए भी नुकसानदेह है और पर्यावरण के लिए

भी.

सिर्फ वितरण नहीं, जागरूकता भी

यह अभियान सिर्फ पत्तल बांटने तक सीमित नहीं रहा. भंडारों में पहुंचकर आयोजकों और श्रद्धालुओं से सीधे बातचीत की गई, उन्हें प्लास्टिक के नुकसान बताए गए और वैकल्पिक उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया गया. कई जगह लोगों ने खुद आगे बढ़कर कहा कि अब से प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करेंगे.

हर मंगलवार चलेगा अभियान

इस पहल को लगातार जारी रखने की तैयारी है. अब हर मंगलवार को हरे दोना-पत्तलों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा, ताकि यह एक आदत बन सके, सिर्फ एक दिन का प्रयोग नहीं. विशेषज्ञों के मुताबिक, हरे पत्तल पूरी तरह जैविक होते हैं और आसानी से नष्ट हो जाते हैं. वहीं प्लास्टिक लंबे समय तक पर्यावरण में बना रहता है और जमीन व पानी दोनों को नुकसान पहुंचाता है.

छोटी पहल, बड़ा संदेश

बड़े मंगल जैसे बड़े आयोजन में यह पहल दिखाती है कि अगर सही समय और सही जगह पर बदलाव शुरू किया जाए, तो उसका असर दूर तक जाता है. इस बार लखनऊ में सिर्फ प्रसाद ही नहीं बंटा, बल्कि एक सोच भी बंटी— 'भक्ति के साथ प्रकृति की जिम्मेदारी भी जरूरी है.'

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

यूएस में अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर झूठ बोलने को लेकर सशस्त्र सेवा समिति में सुनवाई

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की ईरान युद्ध पर जनता को झूठ बोलने और गुमराह करने व वरिष्ठ सैन्य अफसरों को हटाने के आरोपों को लेकर प्रतिनिधि सभा की सशस्त्र सेवा समिति में सुनवाई हुई। पहली बार युद्ध शुरू होने के बाद रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को ईरान युद्ध पर डेमोक्रेटिक सांसदों का सामना करना पड़ा। गत बुधवार को वो हाउस आर्म्ड सर्विसिज कमेटी के सामने पेश हुए। उनके साथ ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डेन केन और रक्षा मंत्रालय के मुख्य वित्त अधिकारी जूल्स हर्स्ट भी मौजूद थे। बहस की शुरूआत हेगसेथ ने डेमोक्रेट्स और वुछ रिपब्लिकनों के बयान को निराशावादी करार देते हुए कहा कि इस तरह के कमेंट्स अमेरिका के सबसे बड़े दुश्मन हैं। इस दौरान हेगसेथ और डेमोक्रेट्स सांसदों से तीखी बहस हो गई। छह घंटे की सुनवाई में माहौल गरमा गया। संसद के निचले सदन में ट्रंप प्रशासन के 1500 अरब डॉलर के रक्षा बजट पर चर्चा के दौरान यह नोकझोक हुई। पेंटागन द्वारा युद्ध की लागत 25 अरब डॉलर बताने पर डेमोक्रेट्स भड़क गए और उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप की मानसिक सेहत पर ही सवाल उठा दिए। इस पर हेगसेथ ने पलटवार किया कि ट्रंप सबसे तेज और सूझबूझ वाले कमांडर-इन-चीफ हैं। उन्होंने डेमोक्रेट सदस्यों से उल्टा सवाल किया कि क्या उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बिडेन की क्षमता पर कभी सवाल उठाए? डेमोक्रेटिक सांसदों ने अमेरिका द्वारा शुरू किए ईरान युद्ध को वॉर ऑफ चॉइस बताया, जिसे कांग्रेस की मंजूरी के बिना शुरू किया गया। वैलिफोर्निया के डेमोक्रेट सांसद जॉन गरामेंडी ने कहा, आप और राष्ट्रपति शुरू से ही इस युद्ध के बारे में अमेरिकी जनता से झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डोनाल्ड ट्रंप मध्य-पूर्व के एक और युद्ध के दलदल में पंस गए हैं। हेगसेथ ने इस बयान को लापरवाह बताया और कहा कि ट्रंप किसी दलदल में नहीं हैं। आगे कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रति आपकी नफरत आपको अंधा कर रही है। हालांकि कमेटी के कई रिपब्लिकन सदस्यों ने पेंटागन का समर्थन किया। फ्लोरिडा के सांसद कार्लोस जिमेनेज ने कहा कि ईरान से अमेरिका के अस्तित्व को खतरा है। उन्होंने कहा- अगर कोई 47 साल से कह रहा है कि वह हमें मारना चाहता है तो मैं उसकी बात को गंभीरता से लूंगा। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और उसकी वजह से सामानों की कीमतों पर असर पर एक सांसद ने कहा : आपको शर्म आनी चाहिए कि आपने मीनाब में हुए इस हमले में 168 लोग मारे गए, जिनमें करीब 110 बच्चे भी शामिल थे। आज हर अमेरिकन बढ़ती महंगाई से परेशान है। तेल की कीमतें बेतहाशा बढ़ रही हैं और इसके जिम्मेदार आप के राष्ट्रपति और आप जैसे सलाहाकार हैं। कमेटी के वरिष्ठ डेमोक्रेट सदस्य एडम स्मिथ ने कहा- हमसे गलती हुई और युद्ध में ऐसा होता है, लेकिन दो महीने तक चुप रहकर हमने दुनिया को यह संदेश दिया कि हमें परवाह नहीं है। वैलिफोर्निया के भारत मूल के सांसद रो खन्ना ने इस हमले की लागत पर सवाल उठाया। इस पर हेगसेथ न कहा कि यह मामला अभी जांच के दायरे में है और वह इसकी लगात पर टिप्पणी नहीं करेंगे। इसके अलावा डेमोक्रेट सांसद सारा जैकब्स ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मानसिक सेहत पर सवाल किया। इस सवाल पर पीट हेगसेथ और सारा जैकब्स के बीच तीखी बहस हुई। खबर है कि विपक्षी डेमोक्रेट्स सदस्यों ने हेगसेथ के खिलाफ हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में महाभियोग प्रस्ताव भी लाने का पैसला किया है। इस प्रस्ताव के आने के बाद ईरान जंग में ट्रंप और हेगसेथ की मुसीबतें बढ़ सकती हैं। हाउस ऑफ डेमोक्रेट्स ने 5 गंभीर आरोप लगाते हुए हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग लाने का पैसला किया है। रक्षा मंत्री को वैबिनेट से हटाने के लिए सीनेट और हाउस में 2 तिहाई सांसदों की जरूरत होगी।

वेस्ट यूपी में सियासी समीकरण को मजबूत करेंगे सीएम योगी, 7-11 तक दिखाएंगे दम

सीएम योगी आदित्यनाथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने के लिए बड़े स्तर पर काम करते दिखेंगे। 7 से 11 मई तक का कार्यक्रम तय हो चुका है।

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में राजनीतिक माहौल को चुनाव के साथ गरमाने की योजना पर काम तेज कर दिया गया है। विधानसभा चुनाव से पहले माहौल को सेट किया जा रहा है। पश्चिमी यूपी विधानसभा चुनाव की प्रयोगशाला बनती जा रही हैं। सभी सियासी दल यहां चुनावी रण में कूदने की तैयारी में जी जान से जुटे हैं। देश के पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ , पूर्व सीएम अखिलेश यादव से लेकर केंद्रीय मंत्री, सूबे के मंत्री, पूर्व मंत्री और सभी दलों के संगठन के पदाधिकारी रणनीति के तहत वेस्ट को सियासी तौर पर बेस्ट बनाने की जुगत में हैं। अब मिशन 2027 पर निकले सीएम योगी वेस्ट यूपी में सियासी चाल को फिर रफ्तार देने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सात मई को सहारनपुर के देवबंद में जनसभा करेंगे। वहां वे विकास कार्यों की सौगात देंगे। 11 मई को बागपत जिले का दौरा लगभग तय हैं। ऐसा कर सीएम सहारनपुर और मेरठ मंडल को साधने की कोशिश करेंगे। इसी के साथ प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 13 मई को मथुरा में आमजन की सियासी नब्ज टटोलेंगे।

वेस्ट से होता रहा है अभियानों का आगाज

दरअसल, 2014, 2029 और 2024 के लोकसभा, 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने वेस्ट यूपी से ही चुनावी बिगुल फूंका था। इसी तरह कांग्रेस के राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सपा के अखिलेश यादव, बसपा की मायावती और उनके बड़े पदाधिकारी, आजाद मसाज पार्टी के चंद्रशेखर, एआईएमआईएम के असददुदीन औवेसी समेत सभी राजनीतिज्ञ वेस्ट से वोट हासिल करने के लिए दस्तक देकर मौहाल बनाते रहे हैं।

अमित शाह ने सभाली थी कमान

2014 के लिए सियासी जमीन तैयार करने के लिए तो बाकायदा मौजूदा गृहमंत्री और भाजपा के लिए चुनावी चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह ने कमान संभाली थी। 2013 के मुजफ्फरनगर दंगे और कैराना पलायन को मुद्दा बनाकर अमित शाह ने खास वोट बैंक को एकजुट किया था। उसके बाद मौजूदा पीएम नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीएम योगी, संगठन महामंत्री रहे सुनील बंसल समेत तमाम दिग्गज यहां सिसासी दांव चलते रहे हैं।

इस बार भी पीएम, सीएम के साथ उनके सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह लगातार वेस्ट यूपी में सक्रिय हैं। तेज गर्मी के बाद भी जिलों में रैली और बड़ी सभा कर रहे हैं।

अब योगी की दस्तक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित वेस्ट यूपी के दौरे को लेकर प्रशासनिक अमला और पार्टी का संगठन सतर्क और सक्रिय हो गया है। सात मई को सहारनपुर जनपद के देवबंद में मुख्यमंत्री की जनसभा प्रस्तावित है। जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने सहारनपुर-मुजफ्फरनगर राज्य मार्ग पर स्थित सिल्वर पैराडाइज के पास मैदान का चयन किया है। साफ-सफाई और जमीन को समतल करने का काम तेजी से किया रहा हैं।

सीएम योगी के कार्यक्रम को लेकर हेलीपैड तैयार किया जा रहा है। वाहनों की पार्किंग के लिए मंडी समिति परिसर को चिन्हित किया गया है। देवबंद से विधायक और योगी सरकार में लोक निर्माण विभाग के राज्यमंत्री कुंवर बृजेश सिंह के मुताबिक मुख्यमंत्री जनसभा के दौरान जनपद की कई विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

इसी के साथ मुख्यमंत्री का 11 मई को बागपत जनपद के भगवानपुर नांगल गांव स्थित शिव गोरखनाथ आश्रम में नवनाथ मूर्ति का अनावरण समारोह में जाना प्रस्तावित है। वह गौरीपुर गांव में नंदन कानन उद्यान का उद्घाटन कर सकते हैं। अधिकारियों ने आश्रम का निरीक्षण भी कर लिया। माना जा राह है सीएम दोनों जगह 2027 के लिए सियासी जमीन तैयार करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

मथुरा में डिप्टी सीएम की धमक

मथुरा जिले के फरह के परखम स्थित दीनदयाल गो-विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में 13 मई को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इस दौरान छात्रावास, पशु चिकित्सालय, हर्बल गार्डन सहित कई महत्वपूर्ण संरचनाओं का उद्घाटन होगा। उनके साथ निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर डॉक्टर स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज और कथा मर्मज्ञ विजय कौशल महाराज भी मौजूद रहेंगे। बीजेपी के एक प्रदेश स्तरीय नेता का कहना है कि आने वाले वक्त में अब पूरी फोकस यूपी पर रहेगा।

8 साल पहले ही सरकार बना चुके थे थलापति? अब तमिलनाडु में असली 'राज तिलक'!

(एजेंसी)।

तमिलनाडु की राजनीति में 'विजय' शब्द अब सिर्फ सिनेमाघरों का नहीं, बल्कि विधानसभा का भी हकीकत बन चुका है। थलापति विजय की मात्र दो साल पुरानी पार्टी तमिलगा वेट्टी कझगम (TVK) ने 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीटें जीत ली हैं। बहुमत से सिर्फ 10 सीट कम, लेकिन इतिहास रचने के लिए काफी। 7 मई को विजय मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं।

लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात यह नहीं है कि एक अभिनेता मात्र दो साल में सत्ता तक पहुंच गया। सबसे दिलचस्प यह है कि यह सब 8 साल पहले उनकी ही फिल्म 'सरकार' (2018) की कहानी से मेल खाती है। आइए जानते हैं असल में क्या था फिल्म में?

2018 में रिलीज हुई फिल्म 'सरकार' एआर मुरुगदॉस के निर्देशन में बनी थी। ₹110 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर ₹253 करोड़ का कारोबार किया था। विजय के साथ कीर्ति सुरेश और वरलक्ष्मी सरथकुमार मुख्य भूमिकाओं में थीं। योगी बाबू, तुलसी और राधा रवि ने यादगार किरदार निभाए थे।

फिल्म का हीरो सुंदर रामास्वामी (विजय) एक सफल ठफ्क्र बिजनेसमैन है। वह सिर्फ वोट डालने के लिए भारत लौटता है। लेकिन पोलिंग बूथ पर पहुंचकर पता चलता है कि उसका वोट पहले ही किसी और ने डाल दिया है। यहीं से शुरू होती है कहानी, चुनावी धोखाधड़ी, राजनीतिक भ्रष्टाचार और सिस्टम के खिलाफ एक आम आदमी की जंग।

फिल्म के अंत तक सुंदर रामास्वामी न सिर्फ अपने वोट की लड़ाई लड़ता है, बल्कि पूरे भ्रष्ट तंत्र को चुनौती देता है। वह पेशेवर राजनेताओं के खिलाफ खड़ा होता है, अपनी कंपनी से इस्तीफा दे देता है और स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ता है। शुरूआत में लोग उसे 'कॉर्पोरेट वाला' कहकर हंसते हैं। लेकिन एक जोरदार भाषण में वह अपना सफर सुनाता है, मछुआरे के बेटे से बड़े बिजनेसमैन बनने तक का संघर्ष, गरीबी से अमीरी तक का सफर। उस भाषण के बाद जनसमर्थन का सैलाब आ जाता है। फिल्म का क्लाइमेक्स ठीक वैसा ही है, जैसा तमिलनाडु चुनाव के नतीजों में हमने देखा। एक सिस्टम-चेंजर का उदय। आज जब थलापति विजय ळश्ड के बैनर तले 108 सीटें जीतकर मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं, तो फिल्म के संवाद

और सीन रियल लगने लगे हैं।

टऋक्र से लेकर विजय तक, द्रविड़ राजनीति का नया अध्याय

तमिलनाडु में यह पहली बार नहीं है जब कोई सुपरस्टार राजनीति में आया हो। एमजी रामचंद्रन (टऋक्र) ने 1972 में अक्अउ्टड की स्थापना की और 1977 से 1987 तक मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने भी सिनेमा से सीधे सत्ता तक का सफर तय किया था। अब 51 साल के थलापति विजय उसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। लेकिन एक फर्क के साथ। टऋक्र की पार्टी को बनाने में दशकों लगे, जबकि ळश्ड को सिर्फ दो साल हुए हैं।

विजय ने राजनीति में आने का ऐलान 2024 में किया था। कोई पुराना संगठन नहीं, कोई गठबंधन नहीं, सिर्फ एक नई पार्टी और युवाओं-महिलाओं का भरोसा। 2026 के चुनाव में ळश्ड ने उ्टड के पारंपरिक गढ़ को तोड़ा, अक्अउ्टड-इखढ गठबंधन को पीछे छोड़ा और 108 सीटों पर कब्जा कर लिया।

फिल्म 'सरकार' में भी सुंदर रामास्वामी ठीक यही करता है, बिना किसी पुराने सिस्टम के, नई सोच के साथ सत्ता की लड़ाई। फिल्म में भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग थी, रियल लाइफ में ळश्ड का मेनिफेस्टो भी महिलाओं, युवाओं और गरीबों के लिए आकर्षक वादों से भरा था कि ₹2500 मासिक भत्ता, 6 फ्री छढ्रक्र सिलेंडर, 8 ग्राम सोना जैसी स्कीम्स। दोनों जगह एक ही थीम, सिस्टम को बदलो, सत्ता को जनता के पास लाओ।

द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) और अक्अउ्टड के वर्चस्व वाले राज्य में ळश्ड की ये जीत सिर्फ एक पार्टी की जीत नहीं है। यह नई राजनीति की जीत है, जहां सिनेमा का करिश्मा, युवाओं का जोश और महिलाओं का समर्थन मिलकर पुरानी पार्टियों को पीछे छोड़ गया।

उ्टड का 'वुमेन कार्ड' फेल हो गया, इखढ गठबंधन बिखर गया, जबकि ळश्ड ने महिलाओं को 23 टिकट दिए और 13 जिता दिए। ठीक वैसे ही जैसे फिल्म 'सरकार' में सुंदर रामास्वामी ने आम लोगों को अपनी लड़ाई का हिस्सा बनाया।

तमिलनाडु के राजनीतिक इतिहास में यह पहला मौका है जब कोई पार्टी सिर्फ दो साल में 108 सीटें जीतकर सत्ता के करीब पहुंच गई है। 7 मई को जब थलापति विजय मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे, तो न सिर्फ तमिलनाडु, बल्कि पूरे दक्षिण भारत की राजनीति की दिशा बदल जाएगी।

8 साल पहले 'सरकार' फिल्म में विजय ने स्क्रीन पर जो सपना दिखाया था, आज उसी को रियल लाइफ में जी रहे हैं। थलापति अब सिर्फ सुपरस्टार नहीं, बल्कि तमिलनाडु के सबसे युवा और सबसे चर्चित मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं।

बीच समंदर फंसा अमेरिकी जहाज, न निकलने का रास्ता, न पीछे हटने की जगह

(एजेंसी)।

होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव एक बार फिर चरम पर है। ईरानी न्यूज एजेंसी 'फार्स' के मुताबिक, अमेरिका के दो व्यापारिक जहाज इस इलाके के पथरीले और उथले पानी में फंस गए हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब खाड़ी क्षेत्र में युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं।

जहां अमेरिका इन जहाजों के सुरक्षित गुजरने का दावा कर रहा है, वहीं ईरान की सेना (IRGC) इसे खारिज कर रही है। इलाके में बढ़ती सैन्य गतिविधियों और सीजफायर टूटने की खबरों ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है।

ईरानी मीडिया का दावा है कि ओमान के तट के पास का समुद्री रास्ता काफी खतरनाक और उथला है। यहां बड़ी चट्टानें हैं, जिसकी वजह से अमेरिकी जहाज न तो आगे बढ़ पा रहे हैं और न ही पीछे हट पा रहे हैं।

ईरान के अनुसार, भौगोलिक रूप से यह हिस्सा जहाजों के निकलने लायक नहीं है। फिलहाल अमेरिका ने अपने जहाजों के फंसने की खबरों पर चुप्पी

साध रखी है, जिससे सस्पेंस और गहरा गया है।

पिछले हफ्ते राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' की शुरूआत की थी, जिसके बाद से तनाव और बढ़ गया। फरवरी के आखिर में अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले किए थे, जिसके जवाब में ईरान ने भी कड़ा रुख अपनाया है। ईरान ने न केवल इजरायल और अमेरिका के सहयोगियों को निशाना बनाया, बल्कि दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग 'होर्मुज स्ट्रेट' को भी बंद करने की चेतावनी दे दी है।

पाकिस्तान की कोशिशों से अप्रैल की शुरूआत में दोनों पक्षों के बीच एक संघर्ष-विराम (सीजफायर) हुआ था। उम्मीद थी कि बातचीत से कोई हल निकलेगा, लेकिन इस्लामाबाद में हुई चर्चा बेनतीजा रही। हालांकि ट्रंप ने इस सीजफायर को आगे बढ़ाया था, लेकिन सोमवार को ईरान द्वारा वअए पर किए गए हमले ने शांति की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। अब इस क्षेत्र में दोबारा बड़ी जंग शुरू होने का खतरा मंडरा रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे संकरे लेकिन व्यापार के लिए सबसे जरूरी समुद्री रास्तों में से एक है। दुनिया का लगभग 20% तेल इसी रास्ते से होकर गुजरता है। अगर ईरान इस रास्ते को पूरी तरह बंद कर देता है या यहां जहाजों की आवाजाही प्रभावित होती है, तो पूरी दुनिया में तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं। फिलहाल ईरान की सेना इस इलाके में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में जुटी है।

विश्व अस्थमा दिवस पर विशेष अस्थमा से बढ़ती मौतें और इनहेलर की सुलभता का संकट

प्रतिवर्ष मई माह के पहले मंगलवार को 'विश्व अस्थमा दिवस' का आयोजन किया जाता है, जो इस वर्ष 5 मई को मनाया जाता है। यह उन करोड़ों लोगों की जीवनशैली और स्वास्थ्य चुनौतियों को रेखांकित करने का एक वैश्विक मंच है, जो हर दिन एक-एक सांस के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

इस वर्ष 'द ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर अस्थमा' (जीआईएनए) द्वारा निर्धारित विषय 'अस्थमा से पीड़ित सभी लोगों के लिए सूजनरोधी इनहेलर की

उपलब्धता, अभी भी एक अत्यावश्यक आवश्यकता है' स्वास्थ्य जगत के समक्ष एक गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। यह विषय सीधे तौर पर उस विसंगति पर प्रहार करता है, जहां आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की प्रगति के बावजूद एक बड़ी आबादी को जीवनरक्षक इनहेल्ड कॉंटिकोस्टेरॉइड्स जैसी बुनियादी दवाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। अस्थमा एक ऐसी दीर्घकालिक बीमारी है, जो पेफड़ों के वायुमार्ग को प्रभावित करती है, जिससे उनमें सूजन आ जाती है और वे संवुचित हो जाते हैं। इस स्थिति में मरीज को सांस लेने में भारी कठिनाई, सीने में जकड़न, लगातार खांसी और घरघराहट जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। विडंबना यह है कि अस्थमा के उपचार के लिए प्रभावी चिकित्सा मौजूद होने के बावजूद वैश्विक स्तर पर होने वाली मौतों का आंकड़ा डरावना है। वर्तमान वैश्विक सांख्यिकी के अनुसार, दुनियाभर में 33 करोड़ से अधिक लोग इस व्याधि से जूझ रहे हैं और हर साल लगभग 4.61 लाख लोग इसके कारण काल के गाल में समा जाते हैं।

भारत के संदर्भ में यह स्थिति और भी भयावह हो जाती है क्योंकि विश्व की वुल अस्थमा मौतों का लगभग 42 प्रतिशत हिस्सा अकेले भारत में दर्ज होता है जबकि भारत में मरीजों की संख्या लगभग तीन करोड़ के आसपास है, फिर भी मृत्यु दर का इतना ऊंचा होना हमारी स्वास्थ्य प्रणालियों और जागरूकता के स्तर पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है।

अस्थमा की गंभीरता को समझने के लिए इसके शारीरिक तंत्र को जानना आवश्यक है। जब कोई अस्थमा रोगी किसी 'ट्रिगर', जैसे धूल, धुआं या प्रदूषण के संपर्व में आता है तो उसके वायुमार्ग की संवेदनशीलता बढ़ जाती है।

वायुमार्ग के चारों ओर की मांसपेशियां सख्त हो जाती हैं और आंतरिक परत में सूजन आ जाती है, जिससे बलगम का निर्माण बढ़ जाता है। यह प्रािया पेफड़ों में हवा के प्रवाह को बाधित करती है, जिससे व्यक्ति को ऐसा महसूस होता है, जैसे वह एक संकरी नली के माध्यम से सांस लेने की कोशिश कर रहा हो।

केजरीवाल का बड़ा दावा: पंजाब में प्रो-इंकम्बेंसी, मान सरकार से जनता बेहद खुश, फिर से सरकार बनाने को बेताब

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान के साथ दिल्ली आए पार्टी के विधायकों के साथ कपूरथला हाउस में संवाद किया। उन्होंने कहा कि चार साल बाद भी पंजाब में प्रो-इंकम्बेंसी है। भगवंत मान सरकार के कामों से लोग बेहद खुश हैं और फिर सरकार बनाने के लिए बेताब हैं।

पंजाब में मुफ्त बिजली, 10 लाख का इंश्योरेंस, शानदार सड़कें, पिंडों में 3100 खेल के मैदान, खेतों तक नहरी पानी पहुंच रहा। पंजाब में पहली बार इतने काम हुए हैं। उन्होंने कहा कि पहले भी अश्वमेघ यज्ञ का घोड़ा पंजाब में रोका गया था और अब भी भाजपा का विजय रथ पंजाब के लोग रोकेंगे। पंजाब के छह राज्यसभा सांसद भाजपा ने चोरी की है। पंजाब के लोग इसका बदला अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में लेंगे।

ें्रिस्र१३८

राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंप कर कपूरथला हाउस पहुंचे पंजाब के "आप" विधायकों को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में "आप" की सरकार बने 4 साल हो गए हैं। अब विधानसभा चुनाव के महज 10 महीने बचे हैं। चुनाव के आखिरी साल में ऐसा बहुत कम सरकारें होती हैं कि उस राज्य के

लोग अपनी सरकार की तारीफें कर रहे हों।

कहा जाता है कि चार साल बाद एंटी इंकम्बेंसी (सत्ता विरोधी लहर) बहुत हो जाती है। लेकिन 4 साल बाद आज पंजाब के हर पिंड व मोहल्ले में एंटी इंकम्बेंसी नहीं है, बल्कि प्रो-इंकम्बेंसी है कि सरकार बहुत अच्छा काम कर रही है। पंजाब के लोग दिल से पंजाब सरकार की तारीफ कर रहे हैं। पंजाब में 44 हजार किलोमीटर शानदार सड़कें बन रही हैं। अब तक 9 हजार किमी सड़कें बन चुकी हैं और अगले एक-दो महीने में सारी सड़कें बन जाएंगी। इतनी शानदार सड़कें आजतक पंजाब में कभी नहीं बनीं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब के शहरों में गली-गली के अंदर सड़कें व गलियां बन रही हैं। सोमवार को सीएम भगवंत मान ने पिंडों में शानदार 250 खेल के मैदान का उद्घाटन किया है। पंजाब ने देश के सबसे अच्छे खिलाड़ी पैदा किए। अच्छे खिलाड़ी तब निकले, जब सरकारें उनकी कोई मदद नहीं करती थीं। हम मान सरकार हर पिंडों में शानदार खेल के मैदान बना रही है। पंजाब के 3100 गांवों में शानदार खेल के मैदान बनाए जाएंगे। इसके अलावा, 6 हजार गांवों के अंदर समान्य खेल के मैदान बनेंगे। इस तरह पंजाब के हर गांव के अंदर बच्चों को खेल का मैदान मिलेगा।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सभी गंदे तालाबों की सफाई करा दी गई है। हर खेत के अंदर सिंचाई का पानी भेजा जा रहा है। किसानों को खेती की जरूरत के लिए दिन में बिजली मिलने लगी है। पिछली सरकारों में रात के 3 बजे बिजली आती थी और किसान को रात में जागने के लिए मजबूर होना पड़ता था।

बिजली मुफ्त हो गई, 10 लाख रुपए का इंश्योरेंस हो गया, जल्द ही महिलाओं को हजार रुपए मिलने शुरू हो जाएंगे। इतने सारे काम अब तक पंजाब में किसी भी सरकार ने नहीं किया। पिछले सरकार हमेशा कहती थी कि खजाना खाली है, लेकिन हमने कभी नहीं कहा कि खजाना खाली है, क्योंकि हमारी ईमानदार सरकार है। हम ईमानदारी से काम कर रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज पूरे देश में बहुत बड़ा संकट छाया हुआ है। भाजपा ने जनतंत्र को हाइजैक कर लिया है, जनतंत्र की हत्या कर दी है। पूरे देश में कोई भी पार्टी जीत कर आ जाए, इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता है। इसके बाद ये ईडी-सीबीआई और पैसे से उस पार्टी के विधायक तोड़ लेते हैं, पार्टियां तोड़ लेते हैं, जेल भेज देते हैं और सरकारें गिरा देते हैं।

जीतने के लिए ये लोग वोट काट देते हैं, अपना वोट जोड़वा देते हैं। सोमवार को पश्चिम बंगाल चुनाव का आया परिणाम कोई चुनाव नहीं था। पिछले 3-4 महीने से हम देख रहे हैं कि पश्चिम बंगाल के अंदर तांडव चल रहा है। इसी तरह इन्होंने बिहार, महाराष्ट्र में किया।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब मैं जेल गया, उससे पहले नई दिल्ली विधानसभा में 1 लाख 48 हजार वोट थे। जब मैं लौट कर आया तो 1 लाख 6 हजार वोट बचे थे। इन्होंने करीब 6 महीने के अंदर 42 हजार वोट कटवा दिया। पिछली बार नई दिल्ली विधानसभा सीट से मैं 30 हजार वोट से जीता था।

इन्होंने 42 हजार वोट कटवा दिए और इस बार मैं 3 हजार वोट से हार गया। विपक्ष कैसे जीत सकता है, जब उसके सारे वोट कटवा देंगे। आज पूरे देश के अंदर यही तांडव चल रहा है। आज देश के जनतंत्र के उपर संकट है। हमारे देश के स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान कुर्बान करके हमें आजादी दिलाई थी, आज उस आजादी पर सकंट खड़ा हो गया है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मई 2014 में देश में नरेंद्र मोदी की सरकार बनी थी। उस दौरान 'मोदी जी की आंधी' चल रही रही थी। उसके बाद हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड समेत जहां भी चुनाव हुए ये लोग जीतते चले गए। फिर फरवरी 2015 में दिल्ली का चुनाव हुआ और 70 में से सिर्फ 3 सीट भाजपा की आई।

उन्होंने कहा कि जब भगवान श्रीराम अयोध्या के राजा बने तो उन्होंने अपना अश्वमेघ का घोड़ा छोड़ा कि यह घोड़ा जहां जाएगा, वो भगवान राम की जमीन हो जाएगी। भगवान श्रीराम के दोनों बच्चों लव-कुश के मंदिर अमृतसर में है। जब वहां भगवान श्रीराम का घोड़ा पहुंचा, तो दोनों बच्चों ने घोड़े को रोक लिया। तब से कहा जाता है कि अश्वमेघ का घोड़ा रोकने वाले लव-कुश थे। इसी तरह, आम आदमी पार्टी और दिल्लीवालों ने 2015 में मोदी जी का अश्वमेघ घोड़ा रोका था। वरना मोदी जी का घोड़ा चलता जा रहा था।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अभी भी मोदी जी की आंधी चल रही है। ये लोग असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली जीत गए। हर तरफ जीतते जा रहे हैं, अगले साल फरवरी में पंजाब के चुनाव होंगे। पंजाब में न सिर्फ मोदी जी का अश्वमेघ घोड़ा रूकेगा, बल्कि पंजाब चुनाव के बाद मोदी सरकार गिरेगी और पंजाबी ही मोदी सरकार का अंत करेंगे। पंजाब का चुनाव मोदी जी का आखिरी चुनाव होगा। यह मेरा दिल कहता है। ये सब कैसे होगा, मुझे नहीं पता है। आम आदमी पार्टी पंजाब तो जीतेगी। लेकिन इसके लिए मेहनत करनी पड़ेगी। घर-घर जाकर पंजाब के लोगों को बताना होगा कि भाजपा पंजाब और पंजाबियों से नफरत करती है। केंद्र की मोदी सरकार ने पंजाब के लिए एक भी काम नहीं किया है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्र में इनकी सरकार है। आरडीएफ में पंजाब सरकार को डबल पैसा दे देते, लेकिन ये लोग पंजाबियों का हक भी छिन रहे हैं। ये कह रहे हैं कि पंजाब में सरकार बनी तो पंजाब का सारा पानी हरियाणा को दे देंगे।

कनाडा स्कूल मास शूटिंग पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख

कनाडा स्कूल मास शूटिंग पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया स्थित एक स्कूल में हुई गोलीबारी पर खेद जताया। पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना जाहिर करते हुए पीएम मोदी ने घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ह्रकनाडा में हुई भयानक शूटिंग से सदमे में हूं। मैं उन परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। इस गहरे दुख की घड़ी में भारत कनाडा के लोगों के साथ खड़ा है।ह्व

पीएम मोदी का यह बयान मंगलवार (लोकल टाइम) को ब्रिटिश कोलंबिया के एक माइनिंग टाउन में स्थित स्कूल में हुई मास शूटिंग में नौ लोगों के मारे जाने के बाद आया। इलाके के फेडरल पुलिस चीफ सुपरिटेंडेंट केन फ्लॉयड ने मंगलवार रात (लोकल टाइम) बताया कि टम्बलर रिज के एक लोकल हाई स्कूल में सात लोग और एक घर में दो अन्य लोग मृत पाए गए।

एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि कथित शूटर की भी मौत हो गई।

फ्लॉयड, जो प्रांत में रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) उत्तरी जिले की कमान संभालते हैं, ने कहा कि स्कूल में लगभग 100 स्टाफ और छात्र सुरक्षित हैं और उन्हें निकाला गया है। ऐसे संकेत थे कि शूटर कोई महिला थी या महिला के कपड़े पहने कोई व्यक्ति था।

निजी कारणों और जांच का हवाला देते हुए, अधिकारी ने यह नहीं बताया कि शूटर कोई विद्यार्थी था या नहीं, लेकिन उन्होंने माना कि यह वही व्यक्ति था/थी जिसका जिक्र एक्टिव शूटर अलर्ट में किया गया था। उस मैसेज में संदिग्ध शूटर को भूरे बालों वाली एक महिला बताया गया था।

पुलिस के अनुसार, गंभीर रूप से घायल दो लोगों को एयरलिफ्ट करके अस्पताल ले जाया गया, जबकि 25 की चोटों की जांच एक स्थानीय मेडिकल सेंटर में की गई।

ब्रिटिश कोलंबिया के प्रीमियर डेविड एबी ने इस घटना को ह्रअकल्पनीय दुखद घटनाह्व बताया और कहा कि ह्रसरकार आने वाले दिनों में समुदाय के सदस्यों को हर संभव मदद देगी।ह्व

फ्लॉयड ने कहा कि वे अभी तक हमले के मकसद का पता नहीं लगा पाए हैं। उन्होंने कहा, ह्रमुझे लगता है कि ये हमला 'क्यों' हुआ इसका पता लगाने में मुश्किल होगी, लेकिन हम यह पता लगाने की पूरी कोशिश करेंगे कि आखिर 'क्या' हुआ था।ह्व

उन्होंने कहा कि घर स्कूल के पास था, और गोलीबारी आपस में जुड़ी हुई थी। टम्बलर रिज लगभग 2,400 लोगों का एक छोटा सा कोल माइनिंग शहर है, जो डायनासोर के पैरों के निशान और जिवाश्म के लिए मशहूर है।

'बच्चे को पढ़ाइए, सास-ससुर की दबंगई को हम दिखवाते हैं', जनता दर्शन में पहुंची महिला को सीएम योगी ने किया आश्वस्त

गोरखपुर में सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में लोगों की समस्या सुनी और उनको हल करने निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। इस दौरान 150 लोग अपनी समस्याएं लेकर सीएम योगी के पास पहुंचे।

(एजेंसी)।

गोरखपुरः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन दिनों गोरखपुर में मौजूद हैं। मंगलवार को मंदिर परिसर में जनता दर्शन के दौरान आए लोगों की समस्याएं सुनकर उन्हें आश्वस्त किया। वहीं, एक महिला ने अपने बच्चे के विषय में बताया कि यह साढ़े छह साल का हो गया है, लेकिन अभी तक स्कूल नहीं जा रहा, क्योंकि सास-ससुर दबंगई करते हैं और इसे पढ़ने नहीं देते हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चे को स्कूल भेजिए, बाकी हम देखते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार की सुबह पूजा-अर्चना की और मंदिर भ्रमण के बाद जनता दर्शन में पहुंचे। लोगों की समस्या सुनकर उनके निस्तारण के लिए संबंधित

अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इसी दिन गोरखनाथ थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले से पहुंची महिला ने मुख्यमंत्री से कहा कि महाराज जी, मैं बहुत परेशान हूं। मेरा बेटा साढ़े छह साल का हो गया है, लेकिन अभी तक स्कूल नहीं जा रहा, क्योंकि मेरे सास ससुर दबंगई करते हैं और इसे पढ़ने से रोकते हैं, मैं क्या करूं? इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले बच्चे को स्कूल भेजिए, बाकी मैं दिखवाता हूं, क्या करना है? कोई परेशान नहीं करेगा आपको।

सीएम योगी ने 150 लोगों की समस्याएं सुनी

जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने 150 लोगों की समस्या सुनी। इससे पहले सुबह उन्होंने पूर्व की भांति मंदिर में पूजा अर्चना की और परिसर में स्थित अपने गुरुजनों की समाधि पर पहुंचकर मत्था टेका। इसके बाद गायों के पास पहुंचे और अपने हाथों से गुड़ चना खिलाया और उन्हें दुलारा।

योगी आज कई कार्यक्रम में होंगे शामिल

बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार की शाम को ही गोरखपुर पहुंच गए थे। जहां हेलीपैड पर उन्हें बंगाल चुनाव की जीत की बधाई देने प्रदेश उपाध्यक्ष, विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र सिंह, मेयर मंगलेश श्रीवास्तव, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, ग्रामीण विधायक विपिन सिंह सहित कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी पहले से ही पहुंचे थे। मुख्यमंत्री के पहुंचते ही उन्हें बधाई दी गई। मुख्यमंत्री मंगलवार को विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जहां 612 करोड़ रुपये से अधिक लागत की परियोजनाओं का शिलान्यास करने के साथ ही बेनीमाधव मोहल्ले में स्थित कल्याण मंडपम का उद्घाटन करने के साथ ही 14 करोड़ रुपये की लागत से बने एक पुल का भी लोकार्पण करेंगे।

सीएम योगी बोले- पिछली सरकारों की गलती सुधारी, डेढ़ लाख शिक्षामित्र परिवारों को संभाला हमारी सरकार ने

(एजेंसी)।

लखनऊ, योगी आदित्यनाथ ने शिक्षामित्रों के मुद्दे पर पिछली सरकारों की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने डेढ़ लाख परिवारों को सहारा दिया। मानदेय बढ़ाने, स्वास्थ्य सुरक्षा देने और शिक्षा व्यवस्था सुधारने के साथ बच्चों की पढ़ाई और स्कूल उपस्थिति पर भी जोर दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 से पहले की सरकारों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने बिना नियम-कानून के शिक्षामित्रों को सहायक शिक्षक के रूप में मान्यता देने का कुत्सित प्रयास किया, जो पूरी तरह नियम-विरुद्ध था। उनकी इस गलती के कारण सुप्रीम कोर्ट ने सभी शिक्षामित्रों की सेवाएं समाप्त करने का आदेश दिया।

ऐसे में हमारे सामने बड़ी चुनौती थी। डेढ़ लाख परिवार सड़कों पर भूखों मरने की नौबत पर आ सकते थे। ये लोग 18-19 वर्षों से सेवाएं दे रहे थे। उम्र के इस पड़ाव में वे कहां जाते? तब हमने मंत्रिमंडल में फैसला किया कि इनकी सेवाएं समाप्त नहीं करेंगे, बल्कि इनका सहयोग लेंगे।

2017 में ही सरकार ने शिक्षामित्रों का मानदेय 3,500 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दिया था। अब इसे और बढ़ाते हुए 18 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है, जो अप्रैल महीने से लागू भी हो गया है। सीएम योगी मंगलवार को गोरखपुर में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय शिक्षामित्र सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

संवाद और सहयोग से किया समय का समाधान

मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि अब ट्रेड यूनियन वाली सोच और

नकारात्मक वृत्ति को पूरी तरह त्याग देना होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षक या शिक्षामित्र केवल मांगों पर अड़े रहेंगे, नकारात्मक सोच रखेंगे, तो न केवल बच्चों की नींव कमजोर करेंगे बल्कि पूरे समाज व राष्ट्र को क्षति पहुंचाएंगे। हमारा नेचर ट्रेड यूनियन जैसा नहीं हो सकता।

पहले देश, फिर हम। सकारात्मक भाव के साथ कार्य करने वाले ही अच्छी पीढ़ी तैयार कर सकते हैं। सरकार सकारात्मक सोच के साथ आपके साथ है, इसलिए नकारात्मक भाव बिल्कुल नहीं आने चाहिए। वर्षों से चली आ रही आपकी मांग को सरकार ने संवाद व सहयोग के माध्यम से हल किया, न कि टकराव के रास्ते से।

सभी शिक्षामित्रों को मिलेगी स्वास्थ्य सुरक्षा

मुख्यमंत्री ने बताया कि आज सुबह जनता दर्शन कार्यक्रम में एक शिक्षामित्र परिवार आया था, जिसकी बेटी गंभीर रूप से बीमार है, डायलिसिस की जरूरत है। इसीलिए मैंने शिक्षामित्रों को भी प्रधानमंत्री की कैशलेस स्वास्थ्य सुरक्षा देने का निर्णय किया था।

5 लाख रुपये का सालाना कैशलेस स्वास्थ्य कवर सभी शिक्षामित्रों को उपलब्ध कराया जाएगा। जो छूट गए होंगे, उन्हें भी यह सुविधा दी जाएगी। बेसिक शिक्षा परिषद को तत्काल सभी जरूरतमंदों को लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। शीघ्र ही एक भव्य समारोह आयोजित कर सभी को यह कार्ड प्रदान किया जाएगा।

बैंकिंग और सामाजिक सुरक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा के बेसिक शिक्षा परिषद को तत्काल सभी शिक्षामित्रों के बैंक खाते खुलवाने का निर्देश दिया गया है। इससे मानदेय सीधा एकाउंट में आएगा। सरकार ने शिक्षामित्रों को उनके जिले व नजदीकी विद्यालय में तैनाती देने की व्यवस्था की है। खासकर विवाहित महिला शिक्षामित्रों को मायके या ससुराल के निकट विद्यालय में म्यूचुअल ट्रांसफर की सुविधा दी जाएगी।

शिक्षा क्रांति का जिक्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाया गया है और यह परिवर्तन साफ दिख रहा है। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत विद्यालयों की हालत बदली गई है। पहले जहां टॉयलेट, पेयजल, फ्लोरिंग, फर्नीचर और स्मार्ट क्लास की उपलब्धता मात्र 30-36% थी, वह अब 96-99% हो गई है।

ड्रॉपआउट दर 19% से घटकर 3% पर आ गई है। एक बच्चे का स्कूल छोड़ना राष्ट्रीय क्षति है। पहले बालिकाएं इसलिए स्कूल नहीं जाती थीं क्योंकि वहां पेयजल, अलग टॉयलेट और सुरक्षा नहीं थी। आज 1 करोड़ 60 लाख बच्चों को दो यूनिफॉर्म, बैग, बुक्स, जूते, मोजे और स्वेटर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

शिक्षामित्रों से अपील, हर बच्चा पहुंचे स्कूल

मुख्यमंत्री ने शिक्षामित्रों का आह्वान किया कि जुलाई के पहले सप्ताह में स्कूल खुलते ही 'स्कूल चलो' अभियान तेज करें। हर बच्चा स्कूल पहुंचना चाहिए। शिक्षक आधा घंटा पहले स्कूल पहुंचें, 25-25 घरों में जाकर अभिभावकों से बात करें। बच्चों को प्यार से पढ़ाएं, कभी मारपीट न करें।

अच्छी कहानियां, कविताएं और उदाहरण देकर उन्हें प्रेरित कीजिए। अभिभावकों को भी जागरूक करें कि दी गई यूनिफॉर्म, स्वेटर आदि का सही उपयोग हो। परिवार की खींचतान स्कूल तक नहीं लाइए।

लखनऊ में महिलाओं से जबरन वसूली करने वाले किन्नर गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

(एजेंसी)।

लखनऊ, लखनऊ पुलिस ने मंगलवार को किन्नरों के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया जो बाजारों और आवासीय इलाकों में महिलाओं को डरा-धमकाकर पैसे और कीमती सामान ऐंठने में शामिल था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि तीन आरोपियों अजय रावत उर्फ रानी (23), आकाश गुप्ता उर्फ कामीलिका उर्फ कम्मो (24), और रफीक अहमद (44) को बिजनौर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में डकैती की एक घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। एक अन्य आरोपी अन्नू (लगभग 23) फरार है।

पुलिस के अनुसार, गिरोह पीड़ितों, विशेषकर महिलाओं पर नकदी या आभूषण सौंपने के लिए दबाव डालने के लिए किन्नर के रूप में अपनी पहचान का फायदा उठाता था।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अमित कुमार आनंद ने संवाददाताओं से कहा कि आरोपियों ने अनजान पीड़ितों को निशाना बनाने के लिए सोची-समझी रणनीति अपनाई।

अपर पुलिस उपायुक्त वसंत कुमार के साथ मौजूद आनंद ने कहा, 'वे बाजारों या आवासीय इलाकों में महिलाओं से संपर्क कर दावा करते थे कि उनके घर में शादी है और पैसे की मांग करते हैं। अगर पीड़ित इनकार करते, तो आरोपी घबराहट और शर्मिंदगी पैदा करने के लिए अपने कपड़े उतारने सहित अश्लील व्यवहार करते थे और फिर जबरन आभूषण छीन लेते थे।'

उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में, विरोध करने पर आरोपी हिंसक भी हो गए।

पुलिस ने कहा कि विभिन्न स्थानों से लगभग 100-150 सीसीटीवी कैमरा फुटेज की जांच के बाद सफलता मिली। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक मंगलसूत्र, दो जोड़ी बालियां और अपराध में इस्तेमाल वैगन आर कार बरामद की।

उनकी गिरफ्तारी चार मई की एक घटना से संबंधित है जब सुबह की सैर पर निकली दो महिलाओं को आरोपियों ने धमकी देकर जबरन उनका मंगलसूत्र और बालियां छीन लीं।

पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपराध में संलिप्तता स्वीकार की और कहा कि उन्होंने लूटे गए आभूषणों को आपस में बांट लिया था।

भारतीय न्याय संहिता के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है, और वस्तुओं की बरामदगी के बाद अतिरिक्त धाराएं लगाई गई हैं।

बंगाल चुनाव में बीजेपी की जीत से पाकिस्तान में पसरा मातम, पाकिस्तानी विश्लेषक कमर चीमा भड़काऊ बयान वायरल

(एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजों ने सभी को चौंका दिया है। बीजेपी की 206 सीटों पर प्रचंड जीत और ममता बनर्जी की हार ने न केवल भारत, बल्कि पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी खलबली मचा दी है। पाकिस्तानी मीडिया और वहां के विशेषज्ञ इस जीत को भारत के बढ़ते राष्ट्रवाद और प्रधानमंत्री मोदी के 'अजेय' नैरेटिव के रूप में देख रहे हैं।

पाकिस्तान के गलियारों में अब भारत की अगली रणनीति और दोनों देशों के रिश्तों के भविष्य को लेकर काफी डर और चिंता का माहौल बना हुआ है।

पाकिस्तानी विश्लेषक कमर चीमा बोले तनाव बढ़ेगा अब

पाकिस्तानी विश्लेषक कमर चीमा ने इस जीत को युद्ध का संकेत बताया है। उनका कहना है कि भारत के एक बड़े हिस्से पर अब बीजेपी का नियंत्रण है, जिससे मोदी सरकार का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है। चीमा का मानना है कि इस जीत के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम होने के बजाय और बढ़ेगा। उन्होंने इसे विनाशकारी युद्ध की

शुरुआत करार देते हुए कहा कि भारत अब अपनी शर्तों पर आगे बढ़ेगा, जो पाकिस्तान के लिए बड़ी चुनौती है।

आरजू काजमी का विश्लेषण और पीएम मोदी का 'मंत्र'

मशहूर पत्रकार आरजू काजमी ने ममता बनर्जी की हार को एक युग का अंत बताया है। उनके अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल में ऐसा राजनीतिक समीकरण बैठाया कि वर्षों से जमी हुई सरकार ढह गई। उनके शो में चर्चा हुई कि इस बार बंगाल के चुनाव में हिंदुत्व और शरणार्थी मुद्दों ने बड़ी भूमिका निभाई। एक्सपर्ट्स का मानना है कि वोटर्स ने एकजुट होकर बीजेपी का साथ दिया, जिससे विपक्ष पूरी तरह बिखर गया और ममता बनर्जी अपनी ही गढ़ में अलग-थलग पड़ गईं।

अवैध घुसपैठ और वोट बैंक पर चर्चा

बंगाल में बीजेपी की जीत के पीछे एक बड़ा कारण अवैध वोटर्स पर की गई कार्रवाई को बताया जा रहा है। पाकिस्तानी मीडिया में भी इस बात की चर्चा है कि इस बार चुनाव आयोग की सख्ती और पहचान पत्रों की जांच की वजह से चुनावी समीकरण बदल गए। भारतीय विशेषज्ञों का मानना है कि बंगाल के मूल निवासियों में यह डर था कि अगर इस बार वे एकजुट नहीं हुए, तो उन्हें भी कश्मीर या अन्य जगहों की तरह विस्थापित होना पड़ सकता है, जिसके कारण बंपर वोटिंग हुई।

पाकिस्तानी अखबार 'डॉन' का तंज

पाकिस्तान के प्रतिष्ठित अखबार 'डॉन' ने इस नतीजे को वामपंथ की हार और हिंदुत्व की जीत के तौर पर देखा है। अखबार ने जोसेफ स्टालिन का जिक्र करते हुए लिखा कि भारत में जो लोग कभी वामपंथी विचारधारा के करीब थे, उनके ही फैसलों ने आज हिंदुत्ववादी ताकतों को इतना मजबूत बना दिया है। लेख के अनुसार, विपक्ष की आपसी फूट और कांग्रेस विरोध ने बीजेपी के लिए रास्ता साफ कर दिया, जिससे आज भारत का राजनीतिक नक्शा पूरी तरह बदल गया है।

कौन है सुवेंदु अधिकारी को भवानीपुर में जिताने वाला चाणक्य? राजस्थान से आकर ढहा दिया ममता का किला

(एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के रण में इस बार केवल स्थानीय मुद्दे ही नहीं, बल्कि बाहरी राज्यों के दिग्गज रणनीतिकारों की सूझबूझ भी चर्चा का विषय बनी रही। भवानीपुर में ममता बनर्जी को हराकर 2-2 सीटों से जीत दर्ज कर के सुवेंदु अधिकारी ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने भवानीपुर और नंदीग्राम सीट जीती है। भवानीपुर की जीत में राजस्थान की राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ ने इस बार अपनी पूरी ताकत झोंक दी।

बंगाल की धरती पर भगवा परचम लहराने के लिए राजेंद्र राठौर ने कोई कसर नहीं छोड़ी। पार्टी आलाकमान ने उन्हें एक ऐसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी, जिसने राज्य के सबसे हाई-प्रोफाइल चुनावी मुकाबले के समीकरणों को प्रभावित किया। आमतौर पर राजस्थान के मरुधरा में सक्रिय रहने वाले राठौड़ ने बंगाल के चुनावी समर में न केवल अपनी सांगठनिक क्षमता का परिचय दिया, बल्कि मारवाड़ी समुदाय के बीच भाजपा की पैठ को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान की।

भवानीपुर विधानसभा सीट को बंगाल चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र माना जा रहा था। इस क्षेत्र की खासियत यहां रहने वाली मारवाड़ी और हिंदी भाषी समुदाय की बड़ी आबादी है। भाजपा ने इसी सामाजिक समीकरण को साधने के लिए राजेंद्र राठौड़ को मोर्चे पर लगाया। राठौड़ ने करीब दो महीने तक इस इलाके में डेरा डाले रखा और एक परिपक्व रणनीतिकार की तरह काम किया। उन्होंने बड़ी जनसभाओं के बजाय 'माइक्रो-मैनेजमेंट' पर ध्यान केंद्रित किया और छोटी-छोटी नुक्कड़ सभाओं के जरिए लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया।

राठौड़ की कार्यशैली ने भवानीपुर के मतदाताओं को खासा प्रभावित किया। उन्होंने केवल राजनीतिक भाषणों तक सीमित न रहकर घर-घर जाकर लोगों की स्थानीय समस्याएं सुनीं और उन्हें मतदान के लिए प्रेरित किया। मारवाड़ी समुदाय के बीच उनकी साख और राजस्थान से जुड़ाव ने भाजपा के लिए 'भरोसे का सेतु' बनाने का काम किया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भवानीपुर जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में भाजपा की ओर जो झुकाव बढ़ा, उसके पीछे राठौड़ की यही शांत लेकिन प्रभावी जमीनी मेहनत थी।

भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी के लिए यह चुनाव साख की लड़ाई थी। ऐसे में राजेंद्र राठौड़ द्वारा तैयार किया गया मजबूत समर्थन आधार उनके लिए संजीवनी साबित हुआ। मारवाड़ी वोट बैंक को एकजुट कर भाजपा के पक्ष में लाने की रणनीति ने मुकाबले को और भी कड़ा बना दिया। चुनाव के बाद खुद सुवेंदु अधिकारी ने सार्वजनिक मंच से राठौड़ के योगदान को स्वीकार किया।

युवाओं के स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए पटना में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

(एजेंसी)।

बिहार में एक जिला-स्तरीय जागरूकता और ओरिएंटेशन कार्यक्रम, जिसे बिहार कौशल विकास मिशन और पटना उप-क्षेत्रीय योजना कार्यालय द्वारा आयोजित किया गया है, ढटका, ठळढर और उट ढ¤३ॅ की रूपरेखा बताता है, जिसमें जमीनी स्तर पर पात्रता, लाभ और कार्यान्वयन पर जोर दिया गया है।

युवाओं के आर्थिक स्वावलंबन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप योजनाओं पर एक दिवसीय जिला स्तरीय जागरूकता-सह-उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बिहार कौशल विकास मिशन और अवर प्रादेशिक नियोजनालय, पटना के संयुक्त तत्वाधान में नियोजन भवन के प्रतिबिंब सभागार में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत जिला नियोजन पदाधिकारी के स्वागत संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में इन योजनाओं की भूमिका को रेखांकित किया। इसके बाद विभिन्न सत्रों के माध्यम से योजनाओं से जुड़ी तकनीकी जानकारी और लाभों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की रोजगारोन्मुखी योजनाओं—प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना, मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना और राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना —के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभिन्न हितधारकों को जागरूक करना था।

मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना के टीम लीडर चंदन राय ने योजना के उद्देश्यों, लाभों और पात्रता मानकों की जानकारी दी। वहीं, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के प्रतिनिधि कुंदन कुमार ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) अतुल चंद्र ने राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के तहत प्रशिक्षुओं और नियोक्ताओं को मिलने वाली वित्तीय सहायता और पोर्टल की प्रक्रिया को समझाया।

'टिकट के लिए टीएमसी ने मांगे 5 करोड़, भारतीय क्रिकेटर ने खोली ममता की पोल, किया भूचाल लाने वाला खुलासा

(एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कई सनसनीखेज खुलासे किए हैं। साल 2021 में शिबपुर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुने गए और खेल एवं युवा मामलों के राज्य मंत्री रहे तिवारी

ने स्पष्ट किया है कि पार्टी की इस करारी हार से उन्हें बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ है।

उनके अनुसार जब पूरी पार्टी भ्रष्टाचार में लिप्त हो और किसी भी क्षेत्र में विकास कार्य न हो रहे हों, तो ऐसा परिणाम आना तय था। तिवारी ने टिकट बंटवारे की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए दावा किया कि इस बार केवल उन्हीं लोगों को उम्मीदवार बनाया गया जो मोटी रकम दे सकते थे।

PTI के अनुसार मनोज तिवारी ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि तृणमूल कांग्रेस में टिकट पाने के लिए उम्मीदवारों से पांच करोड़ रुपये तक की मांग की गई थी। उनके अनुसार इस चुनाव में कम से कम 70 से 72 उम्मीदवारों ने टिकट हासिल करने के लिए करीब पांच-पांच करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

मनोज तिवारी से मांगे गए टिकट के लिए पैसे

तिवारी ने खुलासा किया कि उनसे भी इस राशि की मांग की गई थी, लेकिन उन्होंने पैसे देने से साफ इनकार कर दिया और यही कारण रहा कि वह इस बार चुनावी मैदान में नहीं उतरे। उन्होंने चुनौती देते हुए यह भी कहा कि जिन लोगों ने पैसे देकर टिकट खरीदे थे, उनमें से जीतने वालों की संख्या बेहद कम है।

TMC से खत्म है अब रिश्ता

राजनीति में अपने प्रवेश और वर्तमान स्थिति पर बात करते हुए तिवारी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के साथ उनका अध्याय अब पूरी तरह समाप्त हो चुका है। उन्होंने बताया कि उनकी राजनीति में आने की कभी कोई व्यक्तिगत इच्छा नहीं थी, बल्कि उन्होंने ममता बनर्जी के बार-बार आग्रह करने पर यह कदम उठाया था।

लोकसभा के लिए भी मिला ऑफर

साल 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी उन्हें टिकट की पेशकश की गई थी, जिसे उन्होंने उस समय खेल में सक्रिय होने के कारण ठुकरा दिया था। हालांकि 2021 में मुख्यमंत्री के संदेश और विश्वसपात्रों के माध्यम से दबाव बनाए जाने के बाद वह समाज में सार्थक बदलाव लाने की उम्मीद के साथ शिबपुर से चुनाव लड़ने को तैयार हुए थे।